

— प्रत्युप med. einen Gegendienst erweisen PAÑKAT. I, 98, v. l. (Mél. asiat. I, 289).

— नि act. med. von der Höhe herabbringen, demüthigen, überwinden: नि कर्म मन्युं डुरेवस्य शर्धतः RV. 2, 23, 12. नि काव्यां वेधसः शश्वतः कः 1, 72, 1. सा चित्रिर्भिर्नि हि चकार मर्त्यम् 164, 29. AV. 5, 23, 8. मृत्युम् प्राप्नः ÇAT. Br. 8, 4, 2, 2. वज्रम् TS. 3, 2, 7. मा नो नि कः पुरुषत्रा herabsetzen RV. 3, 33, 8. तेना नि कुर्वे त्वामहं यथा ते ऽसांनि सुप्रिया damit zwinge ich dich AV. 7, 38, 2. VS. 27, 4. Aus der nachvedischen Zeit ist nur das partic. zu belegen. 1) erniedrigt, gedemüthigt, beleidigt, niedergebought AK. 3, 1, 41. H. 441. an. 3, 269. MED. t. 117. नि कृतस्यापि ते पुत्रैः — धर्मराजस्य MBu. 2, 2629. 3, 312. 1403. 11196. 4, 972. 1547. N. 14, 17. 19, 3. R. 1, 56, 22. 3, 46, 9. 4, 3, 22. 7, 17. 9, 25. 5, 23, 11. यत्कृते चासि नि कृतो दुःखेन मक्ता N. 14, 15. betrogen H. an. MED. (lies विप्रलब्धे). — 2) niedrig, gemein AK. 3, 1, 46. H. 376. H. an. MED. जरायुजानि भूतानि नि कृतान्यपि MBu. 14, 1139. नि कृतप्रज्ञ 3, 2034. R. 5, 23, 6. नि कृतमति Buig. P. 5, 14, 13. — 3) n. Erniedrigung, Demüthigung: तत्तेजस्वी पुरुषः परकृतनिकृतं (v. l. निकृतिं) कथं सक्तुं BHART. 2, 30. — desid. निचिकीर्यति überwinden wollen AV. 11, 2, 13. — Vgl. निकार, निकारण, निकारिन्, निकृति, निकृतिन्, निकृत्वन्.

— प्रनि, प्रनिकीरति P. 8, 4, 18, Sch.

— विनि Jmd zu nahe treten, beleidigen, kränken, verletzen: यो ज्येष्ठो विनिकुर्वति लोभाद्वातृन्यवीपसः M. 9, 213 = MBu. 13, 5119. तया विनिकृता माता पिता च — अग्निमुष्टे ऽसि निष्क्रातो गृह्णताभ्याम् 3, 14036. R. 4, 2, 17. 7, 16. तत्रया चरता लेकि धर्मा विनिकृता मक्षन् 6, 11, 18.

— निस् act. med. 1) herausbringen: निर्यदो बुध्नार्मक्षस्य वर्षसं श्शानासः शवसा क्रतुं सूर्यः RV. 1, 141, 3. — 2) ausschliessen, verdrängen, vertreiben: निरु स्वसौरमस्कृत (Padap. und PAIT. अकृत) RV. 10, 127, 3. देवा अमुरास्त्वयाप्ये निरकुर्वन् AV. 4, 19, 4. तमा वक्तुं तं निष्कुरु 5, 4, 6. अनातेनैव तदार्तं यज्ञस्य निष्करोति ÇAT. Br. 12, 4, 2, 1. 5, 1, 4. TS. 6, 5, 10, 2: निष्कृतः पुत्रैः Dev. 1, 31. अनिष्कृतनैस् der sich seiner Sünden nicht entledigt hat, sie nicht gebüsst hat M. 11, 53. — 3) zerbrechen: (शक्तिः) निरकारि BHATT. 13, 51. — 4) zurüsten, ausrüsten, verfertigen (vgl. — इस्): निराह्वावाङ्कणोतन RV. 10, 101, 5 (vgl. इष्कृताह्वा). निष्कृतो रथः TS. 1, 3, 2, 4. निष्कृषवाना आर्युधानि RV. 1, 92, 1. चमसं लष्टुर्देवस्य निष्कृतम् 20, 6. — 5) einrichten, zurechtbringen, heilen: यदामयात् निष्कृत्य RV. 10, 97, 9. AV. 2, 9, 5. 5, 4, 10. 6, 24, 2. सेमं निष्कृषि पूरुषम् 5, 5, 4. — Vgl. अनिष्कृत, निष्कर्तृ, निष्कृत.

— अभिनिस्, partic. अभिनिष्कृत gegen Jmd angelegt AV. 10, 1, 12.

— Vgl. अभिनिष्कारिन्.

— उपनिस् s. उपनिष्कर.

— परा act. P. 1, 3, 79. Vor. 22, 1. bei Seite lassen, nicht berücksichtigen: ता कनूमान्पराकुर्वन् BHATT. 8, 50.

— परि 1) umgeben (?): आलीढया परिकृतम् MBu. 13, 5044. — 2) परिष्कार, imperf. पर्यस्कोरात् und पर्यस्कोरात् P. 8, 3, 70. 71. a) zubereiten, ausrüsten, schmücken P. 6, 1, 137. गिरा यदो सत्रन्धवः पञ्च व्राता अपस्यवः । परिष्कृषवसि धर्षास्मि RV. 9, 14, 2. 39, 2. 64, 23. परिष्कृतं zube-rettet, ausgerüstet, angethan; begleitet von; geschmückt AK. 2, 6, 2, 2. H. 1475. पुरोक्ताः RV. 3, 28, 2. सेनो गोभिः 9, 43, 2. मृतिभिः 86, 24. 46, 2.

61, 13. 99, 2. 113, 4. 10, 85, 6. 135, 7. 8, 1, 26. विप्रो हृतः परिष्कृतः 39, 9. पुंस इन्द्रो वक्तुः परिष्कृतः 10, 32, 3. भोजस्येदं पुष्करिणीव वेषम परिष्कृतं देवमानेव चित्रम् 107, 10. AV. 9, 3, 10. साधलंकृतौ सुवसनौ परिष्कृतौ (ÇAÑK.: = किन्नलोमनखौ) KHAND. Up. 8, 8, 2. — सवृन्दैः कदलीस्तम्भैः पूषितैः परिष्कृतम् (पुरम्) Buig. P. 4, 21, 3. केमनालपरिष्कृतम् (सरः) MBu. 3, 17285. (आश्रमम्) चीरमालापरिष्कृतम् R. 3, 11, 4. 17, 18. रथो केमपरिष्कृतः MBu. 3, 703. ARG. 2, 5. MBu. in BENF. Chr. 4, 21. 28, 18. N. 1, 18. R. 2, 31, 30. 76, 5. 3, 18, 37. 4, 2, 13. 6, 112, 88. गदा सुपरिष्कृता MBu. 4, 1818. वाक्यं कृतं कालपरिष्कृतम् R. 5, 25, 35. सुराम् — सुपरिष्कृताम् schön zugerichtet MBu. 4, 437. वेदः परिष्कृता भूमः zugerichtet AK. 2, 7, 17. H. 824.

— प्र 1) ausführen, bewirken, an den Tag legen, äussern: तदिन्द्र प्रेवं वीर्यं चकार्य RV. 1, 103, 7. प्र तत्तै अग्न्या करणं कृतं भूतं 6, 18, 13. ÇAT. Br. 3, 3, 2, 25. 6, 1, 25. प्र वो देवत्र वार्यं कृणुधम् RV. 7, 34, 9. प्रैचतसे प्र सुमतिं कृणुधम् 31, 10. — प्रकृरिष्यति — सदृशमात्मनः R. 5, 76, 7. ज्ञानत्रिपि नरो देवात्प्रकरोति विगर्हितम् PAÑKAT. IV, 37. संज्ञाः Zeichen machen R. 1, 9, 18. एवमादीनि युद्धानि प्रकुर्वती MBu. 2, 909. 908. BHATT. 2, 36. प्राकुर्वन्विधा मायाम् MBu. 3, 12142. प्रकुर्वन्कुलो पूषाम् 2, 2303. मन्त्रम् 3, 8732. तत्कार्यं प्रकृरिष्यामि 13, 2727. शौचम् R. 3, 12, 2. वागबन्धनम् AMAR. 13. तत्प्रकरोति लज्जाम् PAÑKAT. I, 276. पुण्यशीलं नरं प्राप्य किं देवं प्रकृरिष्यति was wird das Schicksal ausführen, vermögen? MBu. 13, 323. med.: कृतिं (Zaun) तत्र प्रकुर्वति M. 8, 239. यज्ञाश्चैव प्रकुर्वति JAGN. 1, 313. एवं मायां प्रकुर्वीणः MBu. 3, 813. लोकयात्राम् MBu. in BENF. Chr. 60, 34. न खल्वस्मद्विधास्तात पापमेवं प्रकुर्वति R. 4, 31, 6. अग्नयम् 3, 62, 22. वेगं प्रकुरुते विषम् Suçr. 2, 269, 1. शेषः सुखमच्युतं प्रकुरुते ÇAUT. (Br.) 5. कथो प्रचक्रिरे MBu. 3, 8526. परिचर्तनम् MĀKĀH. 107, 14. नानिविद्य प्रकुर्वति भृत्यः किंचिदपि स्वयम् । कार्यम् Hit. II, 86. सुहृदाह्वनम् PAÑKAT. III, 44. न भक्ष्या कस्यचित्को ऽपि प्रियं प्रकुरुते नरः I, 462. तथा तेषां प्रचक्रिरे ebenso thaten sie ihnen MBu. 3, 14981. मोधात्रा प्रकृतं प्रज्ञम् eine von M. aufgeworfene Frage 13, 3668. — 2) Jmd oder Etwas zu Etwas machen, mit zwei acc.: सदृशं तु प्रकुर्याग्यम् — पुत्रम् M. 9, 169. नृपं शिशुं तस्य सुतं प्रचक्रिरे MBu. 1, 1807. चतुष्पथान्प्रकुर्वति सर्वानेव प्रदक्षिणान् 13, 4980. 4979. मक्षावलं निर्विषयं प्रचक्रुः R. 5, 61, 20. अन्धकारम् — शवलं प्रकुर्वन् RAGU. (Calc.) 2, 46, v. l. प्रकुर्वते कस्य मनो न सोत्सुकम् R. 1, 6. Buig. P. 7, 4, 35. RĀGA-TAR. 5, 383. GUAT. 18. Hierher ist wohl auch प्रकृत P. 5, 4, 21 zu ziehen: प्रकृतमन्नम् zu Speise gemacht, aus Speise bestehend. — 3) wegschaffen, vernichten; vom Feuer: यज्ञां क्रुद्धाः प्रचक्रुर्मन्युना पुरुषे मृते AV. 12, 2, 5. — 4) aufwenden, verwenden (उपयोगि); med.: शतं प्रकुरुते P. 1, 3, 32, Sch. Vor. 23, 25. — 5) बुद्धिम्, मनः प्रकुरु seine Gedanken auf Etwas (dat. oder loc.) richten, beschliessen: बुद्धिं प्रकुरुष्व यथेच्छसि N. 3, 25. तस्य ह्याशु विनाशाय राजा प्रकुरुते मनः M. 7, 12. तदा वै विपरितेषु मनः प्रकुरुते नरः R. 3, 62, 24. — 6) gewinnen, erbeuten; besiegen: उत प्र कृणुते युधा गाः RV. 4, 17, 10. प्र चक्रे सहसा सहः 8, 4, 5. प्रचक्राणो महीरिषः 9, 13, 7. — 7) Jmd veranlassen, bewegen, geneigt machen: प्र हि वो पूषन्निरं न यामन्ति स्तेर्मभिः कृषव कृषवो यथा मूधः RV. 1, 138, 2. प्रो अश्विनावर्तसे कृणुधम् 186, 10. 5, 41, 6. 6, 21, 9. प्र वो महीमर्मतिं कृणुधम् 7, 36, 8. 53, 2. 10, 64, 7. Jemand tauglich machen zu (mit dat. inf.): प्रान्धं श्राणां चक्षस एतवे कृयः RV. 1, 412, 8. —